Need to include Chutiya, Koch-Rajbongshi, Moran, Motak and Tai-Ahom tribes of Assam in the list of Scheduled Tribes-laid

मोहम्मद रकिबुल हुसैन **(**धुबरी**) :** मैं चाय जनजातियाँ, चुटिया, कोच-राजबोंगशी, मटक, मोरन और ताई-अहोम समुदायों को जनजाति समुदाय के रूप में घोषित करने के मामले पर सरकार द्वारा विचार करने की मांग करता हूँ । यह मुद्दा पिछले कई वर्षों से लंबित है और इन समुदायों की आकांक्षाओं और संवैधानिक अधिकारों का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए । ये समूह कई दशकों से अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं । ये समुदाय असम के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं । हमारे देश के विकास में इनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद भी इन्हें उचित सम्मान नही मिला है जिसके करण आज यह हाशिए पर हैं और इन्हें अभाव का सामना करना पड़ता है । हालांकि इन्होंने चाय उद्योग, कृषि और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, फिर भी वे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच सहित गंभीर सामाजिक-आर्थिक नुकसान से जूझ रहे हैं । इन समुदायों को जनजाति वर्ग में शामिल करने के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि इन समुदायों के अधिकारों की रक्षा हो सके और उन्हें समान अवसर प्राप्त हो सकें । यह कदम न केवल असम बल्कि पूरे देश में सामाजिक न्याय और समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा ।